॥ धन की महाप्रार्थना॥

डॉ. जितेन्द्र अढ़िया, एम.डी. ● **दीपक धाबलिया**

हमारे अर्धजाग्रत मन का धन के लिए
प्रोग्रामिंग करने के लिए प्रार्थना

RUDRA
PUBLICATION
...publishing positivity...

25/B, Govt. Society, B/h, Municipal Market.
Off. C.G. Road, Navrangpura, Ahmedabad - 380 009.
Ph. : 079-26447393 • Mobile : 098259 25947
email : rudrapublication1@gmail.com
www.rudrapublication.com
Buy online www.clickabooks.com

For Home Delivery : Mobile : +91-99241 43847

॥ धन की महाप्रार्थना॥

डॉ. जितेन्द्र अढ़िया ● दीपक धाबलिया

Copyright @ Dr. Jeetendra Adhia

All Rights reserved. No Part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted, in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise without the prior written permission of the copyright owner

ISBN : 978-93-80420-54-7

1st Edition : 02 October, 2014

₹ 35/-

: Creative Consultant :
Prajvalit
(Ankit Parghi)

: Printing :
Rudra Publication

: Publisher :
Adhia International
Ahmedabad, Gujarat, INDIA
www.drjeetendraadhia.com

धन की महाप्रार्थना

श्री.....

को सप्रेम भेट ।

धन की यह प्रार्थना २१ दिन तक आप हररोज करेंगे, तो आपके अर्धजाग्रत मन का धन के लिए सकारात्मक प्रोग्रामिंग हो जायेगा ।

इस प्रार्थना के वाक्य, इसमें उच्चारित शब्द आप के जीवन में हकीकत बन जायेंगे । आप जीवन में सुख, समृद्धि और शांति पाएँगे और सच्चे अर्थ में धनवान बन पाएँगे, ऐसी शुभेच्छा के साथ यह छोटी सी भेट अर्पण करने में आनंद महसूस करता हूँ ।

हस्ताक्षर : .....

दिनांक : .....

स्थल : .....

धन की यह महाप्रार्थना किसलिए?

विश्वशक्ति के नियम के अनुसार हमारी बाहर की दुनिया हमारी अन्दर की दुनिया का ही प्रतिबिम्ब हैं।

धन के विषय में हम लोगों में कईं सारे नकारात्मक विचार और मान्यताएँ प्रवर्तमान हैं, जो हमें धनवान बनने से रोकती हैं । धनवान बनने के लिए हमें उन्हें सकारात्मक बनाना होगा। धन की महाप्रार्थना इसी उद्देश्य के साथ लिखी गई हैं।

मन के सिद्धांत के अनुसार जिस चीज़ का हम नियमितरूप से मनन या रटन करते हैं, वह चीज़ या परिस्थिति हमारे जीवन मे हकीकत बन जाती हैं। आप अगर नियमितरूप से इस प्रार्थना को करते रहेंगे, तो आप सच्चे अर्थ में धनवान बन जायेंगे । जब ऐसा होने लगे तब हमें E-mail के द्वारा सूचित अवश्य करें।

डॉ. जितेन्द्र अढ़िया, दीपक धाबलिया
info@mindtraininginstitute.net
info@www.ddrwm.com

धनुक्रमणिका

- मेरे पास धन पहले से ही है ७
- मैं धन का शक्तिशाली चुम्बक हूँ ८
- मैं धनवान बनने के लिए पूर्णतया लायक हूँ ९
- मैं धनवान बनने के लिए पूर्णतया तैयार हूँ १०
- धन साधन है, धनप्राप्ति साधना है ११
- धन मेरे माता-पिता के समान है १२
- धन में मुझे सम्पूर्ण श्रद्धा हैं १३
- धन वरदायिनी कामधेनु हैं १४
- मैं धन से भरपूर रहता हूँ १५
- मेरा समय मूल्यवान है १६
- धन मेरी मौन भाषा है १७
- मैं लालच से दूर रहता हूँ १८
- धन की कृषि का मैं कुशल किसान हूँ १९
- मेरा धन का तराज़ू संतुलित हैं २०
- धन के धनुष्य का मैं प्रवीण तीरंदाज हूँ २१
- मैं अपने आत्मा का दास हूँ २२
- धन अध्यात्म का राजमार्ग हैं २३
- धन मुझमें परिवर्तन लाया है २४
- धन ने मेरा कायाकल्प किया है २५
- धन ने मुझे पुनर्जन्म दिया है २६

विशिष्ट शब्द-प्रयोग

(१) **धानिक** : धन में पूरी श्रद्धा रखनेवाला व्यक्ति, जैसे कि...
धार्मिक : धर्म में पूरी श्रद्धा रखनेवाला व्यक्ति

(२) **धनुष्य** : धन की शक्ति रखनेवाला धनुष्य, जैसे कि...
मनुष्य : मन की शक्ति रखनेवाला मनुष्य

(३) **धानवी** : धन का धान उगानेवाला कुशल किसान, जैसे कि...
मानवी : मन की मिलकत रखनेवाला जीव

|| मेरे पास धन पहले से ही है ||

धन का रहस्य मैं जान चूका हूँ ।
मेरे पास धन पहले से ही हैं ।
मन मेरा धन है, तन मेरा धन है ।
ब्रह्मांड का प्रत्येक पदार्थ धन है ।
मेरे विचार और मेरी कल्पनाएँ धन है ।
मेरी काबिलियत और मेरी क्षमताएँ धन हैं ।

धनवान बनने के लिए मुझे,
किसी बाह्य पूँजी की ज़रूरत नहीं ।
मेरे जन्म के साथ ही यह मुझे मिली है ।

मेरी शारीरिक शक्ति के रूप में;
मेरी मानसिक शक्ति के रूप में ।
जो मेरी अपनी, सच्ची और अक्षत पूँजी है ।

जिससे दुनिया के प्रत्येक पदार्थ को
भौतिक स्वरूप देकर ही,
मैं सच्चे अर्थ में धनवान बनना चाहता हूँ ।

।। मैं धन का शक्तिशाली चुम्बक हूँ ।।

|| मैं धन का शक्तिशाली चुम्बक हूँ ||

दूसरा एक रहस्य मैं जानता हूँ ।

रेत के ढेर में छिपे हुए
लोह के कणों की तरह
पृथ्वी के कण-कण में,
ब्रह्मांड के अणु-अणु में
विपुल धन छिपा हुआ है ।

दुनिया के कोने-कोने से,
ब्रह्मांड के आखरी छोर से भी,
इस धन को मेरे अस्तित्व में
सरलतापूर्वक आकर्षित करने की
मुझमें प्रचंड आकर्षण शक्ति है ।

मैं अपने स्थान पर ही रहता हूँ और
धन स्वयं मुझ में खींचा चला आता है ।

क्योंकि,
मुझ में प्रचंड आकर्षणशक्ति है।

मैं धन का शक्तिशाली चुम्बक हूँ ।

।। मैं धन का शक्तिशाली चुम्बक हूँ ।।